BSNL EMPLOYEES UNION

Main Recognised Representative Union in BSNL

(Regd. under Indian Trade Union Act 1926. Regn.No. 4896)

B.S. RAGHUWANSHI
Circle President

PRAKASH SHARMA
Circle Secretary

पत्र क्रमांक : **BSNLEU/MP CIRCLE/AGITATION/1** **Date : 19.09.2016**

प्रति,

मुख्य महाप्रबंधक दूरसंचार,
मध्यप्रदेश दूरसंचार परिमंडल,
भारत संचार निगम लिमिटेड,
भोपाल

विषय : समस्याओं के निराकरण हेतु आंदोलन।

माननीय महोदय,

मध्यप्रदेश परिमंडल में व्याप्त विभिन्न समस्याओं की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहूंगा। इन समस्याओं के निदान हेतु आपको पूर्व में पत्र द्वारा या व्यक्तिगत रुप से मिलकर अनुरोध किया गया है। किन्तु किसी भी समस्या की ओर परिमंडल प्रबंधन द्वारा गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया प्रतीत होता है। प्रबंधन की जायज मुद्दों के प्रति उदासीनता को लेकर दिनांक 06.09.2016 को संपन्न यूनियन की सेक्रेटरिएट की बैठक में विचार विमर्श पश्चात् आंदोलन का निर्णय लिया गया है।

-: आन्दोलन की रुपरेखा :-

13.10.2016	काली पट्टी लगाकर कार्य
14.10.2016	एस.एस.ए. स्तर पर प्रदर्शन
17.10.2016	परिमंडल कार्यालय भोपाल पर विशाल धरना

नोट : **17.10.2016 को भोपाल में आयोजित धरना प्रदर्शन में मध्यप्रदेश परिमंडल के सभी एस.एस.ए. से भारी संख्या में नेतृत्वकर्ता शामिल होंगे।**

-: मांग पत्र :-

1. **स्वच्छ बीएसएनएल अभियान एवं मूलभूत सुविधाएँ :**

संपूर्ण मध्यप्रदेश में सफाई व्यवस्था की अव्यवस्था के मद्देनजर परिमंडल यूनियन के पत्र क्रमांक **BSNLEU/ MP CIRCLE/PROBLEMS/22 Date: 17.05.2016** द्वारा आपका ध्यान आकृष्ट किया गया था। हमारे द्वारा प्रेषित स्मरण पत्र क्रमांक **BSNLEU/MP CIRCLE/PROBLEMS/29 Date : 22.06.2016** का संज्ञान लेते हुए परिमंडल कार्यालय द्वारा भी एक पत्र सभी एस.एस.ए. प्रमुखों को प्रेषित किया गया था। किन्तु समस्या यथावत है।

परिमंडल कार्यालय भोपाल में विभिन्न स्थानों पर स्वच्छता की महत्ता को प्रदर्शित करते स्लोगन्स, चस्पा किए गए है। परिमंडल कार्यालय में सफाई व्यवस्था प्रशंसनीय भी है। किन्तु विभिन्न मीटिंग एवं आयोजनों में आने वाले एस.एस.ए. प्रमुखों का ध्यान शायद स्वच्छता से जुडे इन स्लोगन्स पर कभी गया हो ऐसा प्रतीत नहीं होता। अपवाद स्वरुप एक या दो एस.एस.ए. को अगर छोड दिया जाए तो परिमंडल में सभी एस.एस.ए. में साफ सफाई एवं मूलभूत आवश्यकताओं को नजर अंदाज किया जा रहा है। **यूनियन यह महसूस करती है कि माननीय प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत अभियान का मखौल कहीं सर्वाधिक रुप से अगर उडाया जा रहा है तो वह बीएसएनएल मध्यप्रदेश परिमंडल है।** साफ–सफाई की दुरावस्था के मद्देनजर यह भी विचारणीय है कि इस कार्य हेतु आवंटित राशि किस मद में खर्च की जा रही है। इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर प्रबंधन की उदासीनता चिंताजनक है। मूलभूत

अविरत् ....

सुविधाओं का अभाव परिमंडल के हर एस.एस.ए. में है। पीने का एवं उपयोग योग्य पानी उपलब्ध नहीं है। कूलर , वाटर कूलर, एक्वागार्ड या तो है ही नहीं , या लगे है तो खराब पडे है, टायलेट में फिटिन्ग्ज भी नदारद है। प्रांगण में जगह जगह कचरों के ढेर है, सुरक्षा को ताक पर रखकर कचरा प्रांगण में ही जलाया जाता है। मेंटेनेंस के अभाव में भवन जीर्ण–शीर्ण हो रहे है। विगत दिनों परिमंडल कार्यालय में छत प्लास्टर गिरने की भी घटना हो चुकी है।

जब भी हमारी जिला इकाईयां उपर्युक्त समस्याएं एस.एस.ए. प्रमुखों के समक्ष रखती है तो रटा–रटाया सा एक जवाब मिलता है " फण्ड नहीं है।" यह भी अपने आप में आश्चर्यजनक है। क्या सफाई व्यवस्था एवं मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता हेतु एस.एस.ए. को फंड नहीं दिया जाता ? यदि हॉ तो, यह राशि कहां खर्च की जा रही है, इसकी जांच होनी चाहिए और यदि ना तो, यह स्थिति चिंताजनक है। **स्वच्छ परिवेश में कार्य करने की सुविधा एवं मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता हर कर्मचारी का अधिकार है एवं प्रबंधन की जिम्मेदारी भी।**

स्वच्छता एवं मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति एक निरंतर प्रक्रिया है और इसकी उपलब्धता एवं निरंतरता हमारी यूनियन की मांग है। उम्मीद है इस दिशा में परिमंडल की ओर से ठोस निर्देश जारी होंगे और इनका क्रियान्वयन भी सुनिश्चित किया जाएगा।

2. नेटवर्क की स्थिति :

मध्यप्रदेश परिमंडल में नेटवर्क अपेक्षानुरुप कार्य नहीं कर रहा है। शायद यही कारण है कि हम विगत दो माह में कार्पोरेट ऑफिस द्वारा दिए गए लक्ष्य को पूर्ण नहीं कर पाए है। जहॉ जुलाई 2016 में सिम विक्रय में परिमंडल सोलहवें क्रम पर था वहीं अगस्त 2016 में माननीय सीएमडी द्वारा प्रशंसित प्रथम 12 परिमंडल में हम स्थान नहीं बना पाए हैं। यह स्थिति नि:संदेह चिंतनीय है। नेटवर्क की मजबूती के लिए आत्मचिंतन, आत्मअवलोकन कर ठोस रणनीति पर कार्य करना जरुरी है।

हमारी परिमंडल यूनियन ने सभी एस.एस.ए. से नेटवर्क की स्थिति जानना चाही थी। हमारे जिला सचिवों से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर कहा जा सकता है कि नेटवर्क की स्थिति में सुधार की आवश्यकता है। विशेष रुप से रिलायंस जियो के पदार्पण पश्चात् पुख्ता नेटवर्क ही हमारे ग्राहको को हम से जोडकर रख सकता है। अत: नेटवर्क के सुचारु संचालन हेतु आवश्यक संख्या में **BTS, BTS** का युक्तियुक्तकरण, **BTS** के रखरखाव हेतु संसाधन की उपलब्धता एवं **BTS** की परिणाम मूलकता सुनिश्चित करना जरुरी है।

3. फिल्ड स्टाफ के लिए आवश्यक उपकरणों /सामग्री का प्रदाय :

विभिन्न एस.एस.ए. में हमारे प्रतिनिधियों से प्राप्त रिपोर्ट अनुसार फिल्ड स्टाफ को मेंटेनेंस हेतु आवश्यक सामग्री/ उपकरण सुलभता से उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं। इस संबंध में उच्च अधिकारियों द्वारा प्राय: बताया जाता है कि आवश्यक सामग्री/उपकरण की पूर्ति हो रही है, जबकि ऐसा नहीं है। परिमंडल प्रबंधन द्वारा सभी एस.एस.ए. प्रमुखों को आवश्यकतानुरुप संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जाएं। परिमंडल प्रबंधन एवं एस.एस.ए. प्रमुखों के बयान प्राय: विरोधाभासी होते है। लेकिन वस्तुस्थिति यह है कि केबल मेंटेनें स/लाईन मेंटेनेंस हेतु संसाधनों का अभाव है। केबल कटने के तुरंत बाद संयोजन होना जरुरी है। स्टोर्स/मटेरियल के अभाव में कनेक्शन कट रहे हैं। नए कनेक्शन देने के साथ–साथ पुराने उपभोक्ता **BSNL** से कैसे जुडे रह सकते है, इस पर ध्यान केन्द्रित करना ज्यादा जरुरी है।

4. स्वेच्छा स्थानांतरण (रुल 8 के अंतर्गत)

परिमंडल प्रबंधन से प्राप्त जानकारी अनुसार स्वेच्छा स्थानांतरण प्रकरणों में संबंधित एस.एस.ए. प्रमुखों की सहमति जरुरी है। इस बाध्यता के चलते स्वेच्छा स्थानांतरण होना असंभव है। स्टॉफ की कमी हर जगह है, रिक्रूटमेंट बंद है, इसके बावजूद भी प्रत्येक वर्ष रुल 8 के अंतर्गत स्थानांतरण होते रहे हैं। कर्मचारियों की वाजिब परेशानियों को दृष्टिगत रखकर स्वेच्छा स्थांनातरण हेतु शीघ्र कार्यवाही की जाएं।

5. जबलपुर प्रबंधन के असहयोगात्मक एवं पक्षपातपूर्ण रवैये पर तत्काल रोक लगाएँ :

जबलपुर में हमारी यूनियन द्वारा विभिन्न मुद्दो को लेकर लगातार पत्राचार किया गया है। अधिकांश मुद्दे सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार से जुडे हैं। लेकिन जबलपुर प्रबंधन समस्याओं का निदान करने एवं दिए गए सुझावों पर चर्चा करने हेतु तत्पर नहीं है। मजबूरन हमारी जबलपुर इकाई को आंदोलनों के लिए बाध्य होना पडा है।

अविरत् ....

परिमंडल यूनियन द्वारा भी जबलपुर के मुद्दों को लेकर पत्र लिखा गया था, किन्तु परिमंडल प्रबंधन द्वारा की गई कार्यवाही से यूनियन को अवगत नहीं कराया गया है। हमारी मांग है कि जबलपुर प्रबंधन की कार्यशैली में सकारात्मक परिवर्तन हेतु निर्देशित किया जाए, मुद्दों पर चर्चा हो, समस्याओं का निराकरण हो और **प्रबंधन "फूट डालो और राज करो " की नीति से बाज आए**। साथ ही परिमंडल यूनियन के पत्र क्रमांक **BSNLEU/MP Circle/PROBLEMS/28 DATE 22.06.2016** में शामिल इश्यूज पर निर्णय हो।

6. **सिविल/इलेक्ट्रीकल के कर्मचारियों के एनईपीपी अंतर्गत पदोन्नति आदेश जारी करें :**

सर्कल कौंसिल में इस संबंध में 15.06.2012 तक आदेश जारी करने का निर्णय हो चुका है। दिनांक 05.01.2013 को संपन्न परिमंडल कौंसिल की बैठक में भी प्रकरण का निपटान 15.01.2013 तक करने का निर्णय हो चुका है। अधोहस्ताक्षरकर्त्ता द्वारा पुनः एनईपीपी प्रकरणों में पदोन्नति आदेश जारी करने एवं एरियर का भुगतान करने हेतु परिमंडल कार्यालय में महाप्रबंधक (एचआर/प्रशा.) एवं महाप्रबंधक (वित्त) से चर्चा की जा चुकी है। अनावश्यक देरी से कर्मचारियों में रोष व्याप्त है। त्वरित कार्यवाही की जाए।

7. **SWAS (सर्विस विथ ए स्माईल) का स्वरुप न बदला जाए :**

फोरम ऑफ बीएसएनएल यूनियन एवं एसोसिएशन द्वारा **सर्विस विथ ए स्माईल** प्रोग्राम शुरु किया गया था। इसके तहत सेवाओं में सुधार एवं बीएसएनएल द्वारा प्रदत्त उत्पादों के प्रचार प्रसार एवं विक्रय हेतु हम प्रतिबद्ध है। पूर्ण रुप से फोरम द्वारा सहयोग भी किया जा रहा है। किन्तु मध्यप्रदेश परिमंडल में **एमएमएम** और **पहल** नाम से प्रोग्राम लांच कर **SWAS** को गौण किया जा रहा है। जबकि **"3M"** एवं **"पहल"** में समाहित इश्यूज **SWAS** में शामिल है। **SWAS** प्रोग्राम को हमारे माननीय सीएमडी ने भी सराहा है एवं मान्यता प्रदत्त की है। ऐसी स्थिति में मध्यप्रदेश परिमंडल में भी **SWAS** के मूल स्वरुप एवं नाम को परिवर्तित न किया जाए।

8. **कान्ट्रेक्ट वर्कर्स के मुद्दो का निराकरण :**

कान्ट्रेक्टर द्वारा श्रम कानूनों का हनन एवं उल्लंघन करने एवं कार्पोरेट ऑफिस द्वारा जारी निर्देशों की अवमानना करने की वजह से जबलपुर में 17 दिन हडताल हुई एवं मंदसौर में 55 दिनों से कान्ट्रेक्टर वर्कर्स आंदोलनरत है। अन्य स्थानों पर भी प्रशंसनीय स्थिति नहीं है। कान्ट्रेक्ट वर्कर्स के जायज एवं कान्ट्रेक्टर द्वारा निर्मित असंतोष के चलते बीएसएनएल की सेवाएं विपरित रुप से प्रभावित हो रही है। **सेवाओं की दुर्दशा को बीएसएनएलईयू मूकदर्शक बन कर नहीं देख सकती**। इस स्थिति में स्थानीय प्रबंधन की चुप्पी पीडादायी है। बीएसएनएल प्रिंसिपल एम्प्लायर है एवं परिमंडल प्रबंधन का स्थिति को सामान्य बनाने हेतु हस्तक्षेप जरुरी है। भविष्य में इस तरह की अप्रिय स्थिति निर्मित न हो इस हेतु सभी एस.एस.ए. प्रमुखों को परिमंडल द्वारा श्रम कानूनों एवं कार्पोरेट ऑफिस के निर्देशों का पालन करने/करवाने हेतु निर्देशित किया जाए जिससे कि बीएसएलएल की सेवाएं बाधित न हो।

मंदसौर प्रकरण में प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा भी कान्ट्रेक्ट वर्कर्स के मुद्दो को लेकर हस्तक्षेप किया गया है। किन्तु स्थानीय एवं परिमंडल प्रबंधन ने अभी तक उनकी समस्या की अनदेखी कर रखी है। यह बेहद शोचनीय स्थिति है एवं प्रबंधन की अमानवीयता प्रदर्शित करती है। शीघ्र हस्तक्षेप करें।

उपर्युक्त सभी मुद्दो का निराकरण शीघ्र करने का अनुरोध है।

अग्रिम धन्यवाद के साथ,

भवदीय

(प्रकाश शर्मा)
परिमंडल सचिव

प्रतिलिपि :

1. **कॉ. बी.एस. रघुवंशी**, परिमंडल अध्यक्ष, बीएसएनएलईयू
2. **कॉ. पी अभिमन्यु,** महासचिव, बीएसएनएलईयू, नई दिल्ली
3. **कॉ. जगदीश सिंह,** सीएचक्यू उपाध्यक्ष, बीएसएनएलईयू
4. सभी जिला सचिव
5. सभी एस.एस.ए. प्रमुख